उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्
आचार्य प्रथमवर्षे, फलित ज्यौतिषम्
प्रथम सेमेस्टर पाठ्यक्रमः

प्रथमपत्रम्–

भारतीय कुण्डलीविज्ञानम् – **80+20 अंकाः**

द्वितीयपत्रम् –

फलदीपिका (आदितः रोगनिर्णयाध्यायपर्यन्तम्) – **80+20 अंका**

तृतीयपत्रम्–

बृहत्संहिता (आदितः ग्रहश्रृङ्गाटकाध्यायपर्यन्तम्) – **80+20 अंका**

चतुर्थपत्रम् –

बृहद्वास्तुमाला – **80+20 अंका**

पंचमपत्रम्–

पूर्वकालामृतम् – **80+20 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

आचार्य प्रथमवर्षे, फलित ज्यौतिषम्
द्वितीय सेमेस्टर

प्रथमपत्रम् –

(क)लघु पाराशरी – **50 अंकाः+20**
(ख) गोल परिभाषा – **30 अंकाः**

द्वितीयपत्रम् –

फलदीपिका (भावचिन्ताध्यायतः समाप्तिपर्यन्तम्) – **80+20 अंकाः**

तृतीयपत्रम्–

बृहत्संहिता (गर्भलक्षणाध्यायतः पिटकलक्षणाध्यायपर्यन्तम्) – **80+20 अंकाः**

चतुर्थपत्रम् –

पञ्चस्वराः – **80+20 अंकाः**

पंचमपत्रम्–

उत्तरकालामृतम् – **80+20 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

फलितज्यौतिषम् आचार्य द्वितीय वर्षे
तृतीय सेमेस्टर पाठ्यक्रमः

प्रथमपत्रम्–

सूर्यसिद्धान्तः (सामान्योपपत्तिसहितः) – **80+20 अंकाः**
(आदितः त्रिप्रश्नाधिकारपर्यन्तम्)

द्वितीयपत्रम् –

जातकपारिजातः (आदितः मान्द्यब्दादिफलाध्यायपर्यन्तम्) – **80+20 अंकाः**

तृतीयपत्रम् –

बृहत्संहिता (वास्तुविद्याध्यायतः शय्यासनलक्षणाध्यायपर्यन्तम्) – **80+20 अंकाः**

चतुर्थपत्रम् – सर्वार्थचिन्तामणिः – **80+20 अंकाः**

पंचमपत्रम् – क– स्वशास्त्रीयेतिहासः – **40 अंकाः+20**
ख– स्वशास्त्रीयनिबन्धः – **40 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

फलितज्यौतिषम् आचार्य द्वितीय वर्षे
चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथमपत्रम्–

सूर्यसिद्धान्तः (सामान्योपपत्तिसहितः) **– 80+20 अंकाः**
(चन्द्रग्रहणाधिकारतः समाप्ति पर्यन्तम्)

द्वितीयपत्रम् –

जातकपारिजातः (अष्टवर्गाध्यायतः समाप्तिपर्यन्तम्) **– 80+20 अंकाः**

तृतीयपत्रम् –

बृहत्संहिता (रत्नपरीक्षाध्यायतः समाप्तिपर्यन्तम्) **– 80+20 अंकाः**

चतुर्थपत्रम् –

अनुसन्धानप्रविधिः एवं पाण्डुलिपिविज्ञानम्

क– अनुसन्धानप्रविधिः **– 40 अंकाः+20**

ख– पाण्डुलिपिविज्ञानम् **– 40 अंकाः**

अथवा

लघुशोधप्रबन्धः

सन्दर्भग्रन्थाः–

1. ज्योतिषशास्त्रस्येतिहासः – डॉ0 लोकमणि दहाल
2. भारतीय ज्योतिष – पं0 शंकरबालकृष्ण दीक्षित
3. भारतीय ज्योतिष – डॉ0 नेमिचन्दशास्त्री
4. गणकतरङ्गिणी – डॉ0 सुधाकर द्विवेदी
5. भुवन दीपकम् ज्योतिर्निबन्धमाला – प्रो0 वासुदेव शर्मा
6. भारतीय ज्योतिषका इतिहास – डॉ0 गोरख प्रसाद
7. अनुसन्धान पद्धति – डॉ0 भागीरथ प्रसाद त्रिपाठी
8. पाण्डुलिपि विज्ञान – प्रो0 सत्येन्द्र, राजस्थान हिन्दी अकादमी
9. अनुसन्धानप्रक्रियाप्रविधिः – सम्पादकः – डॉ0 नागेन्द्रः, अनुवादकः–डॉ0 हर्षनाथ मिश्रः

पंचमपत्रम् –

प्रायोगिकम् **– 40 अंकाः+20**

मौखिकम् **– 40 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।